वर्षाजल संग्रहण करते समय नीचे बताए बातों का ध्यान रखना चाहिए

क्या करें

- ✔ अस्थाई वर्षाजल संग्रहण प्रणाली को मजबूती से खड़ा करें ताकि वह भारी बारिश के दौरान नष्ट या उड़ न जाए
- ✔ पॉलीथीन शीट को हमेशा साफ रखें
- ✔ वर्षाजल संग्रहण के दौरान गैलन के मुँह को पतले कपड़े से ढ़क कर रखें ताकि कोई अनचाहा जीव या वस्तु गैलन में प्रवेष न कर सके
- ✔ गैलन के मुँह को ढ़के हुए पतले कपड़े को नियमित रूप से साफ करते रहें
- ✔ यह सुनिश्चित करें कि वर्षाजल संग्रहण के दौरान संग्रहित पानी आसपास के छींटों से दूषित न हो
- ✔ गैलन को नियमित रूप से साफ करना अत्यावश्यक है
- ✔ संग्रहित वर्षाजल साफ जगह पर रखें

क्या न करें

- ✖ वर्षाजल संग्रहण प्रणाली कभी भी वष्क्ष के नीचे स्थापित नहीं करें। यह हमेशा किसी खुले स्थान में होना चाहिए
- ✖ शुरू के 5 मिनट के वर्षाजल को इकटठा नहीं करें
- ✖ वर्षाजल युक्त गैलन को कभी भी खुला न छोड़े
- ✖ गैलन में जमा वर्षाजल को कभी भी हाथ से न निकालें
- ✖ अस्वच्छ व गंदें स्थान पर वर्षाजल संग्रहण न करें
- ✖ पेयजल के अलावा वर्षाजल को अन्य किसी उददेश्य के लिए उपयोग न करें। क्योंकि इससे पानी की मांग बढ़ जाती है

सहयोग
अरघ्यम
856, 13 मेन,
कोरामंगला, ब्लाक 3,
बंगलौर – 560 034
कर्नाटक

कार्यान्यवन में सहयोग

श्री चन्द्रशेखर
ग्राम्यशील, जेल के पीछे नया नगर
सुपौल – 852531
फोनः 06473225739

श्री रमेश कुमार
घोघरडीया प्रखण्ड स्वाराज्य विकास संघ,
ऐट एण्ड पी ओ जगतपुर,
घोघरडीया, मधुबनी
फोनः 91 – 9431025373

श्री प्रेम कुमार
समता, ऐट एण्ड पी ओ सनहौली,
खगड़िया – 851205
फोनः 91–9430042978

राजेन्द्र झा
कोसी सेवा सदन, आचार्य वन महीषी
सहरसा – 852216
फोनः 06478 – 277067

अभियान की संकल्पना व प्रबंधन में सहयोग

एकलव्य प्रसाद
विकास कार्यकर्ता,
प्राकषतिक एवं सामाजिक संसाधन प्रबंधन
ई–मेलः हतंउपदनदंजजप/हउंपसण्बवउ

Designed & produced by Mind's Eye,
Ph: 9811501119, email-horizons1@vsnl.net

मेघ पाईन अभियान

उत्तर बिहार के बाढ़ प्रभावित जिलों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का एक स्थानीय प्रयास

बाढ़ में फँसे लोग पानी का उपयोग अलग–अलग कार्यों जैसे – पीने के लिए, शौच हेतु तथा मृत व्यक्तियों व जानवरों को विर्सजित करने के लिए करते हैं। इस दौरान डायरिया, बुखार, सर्दी, खाँसी, निमोनिया, चर्मरोग, नेत्ररोग, मलेरिया तथा कालाजार जैसे बीमारियां फैलती है। बच्चे व महिलायें तथा वृद्धजन इस दयनीय स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार उनके वार्षिक आय का अधिकतर हिस्सा बीमारियों के इलाज में खर्च हो जाता है। और उनका मानना है कि इसका मुख्य कारण है अस्वच्छ व दूषित पेयजल।

मेघ पाईन अभियान

यह अभियान उत्तर बिहार के बाढ़ प्रभावित जिलों में ग्रामीण लोगों के बीच वैचारिक व व्यवहारिक बदलाव लाकर स्थानीय जल प्रबंधन तकनीकों को प्रभावी तरीके से पूर्णजीवित व स्थापित करेगा। और लोगों को जल संग्रहण के नये उपायों से जोड़ने व प्रेरित करने का भी प्रयास करेगा।

मेघ पाईन अभियान अपने पहले चरण में, चार चुने गए जिलों – खगड़िया, सहरसा, सुपौल और मधुबनी के एक–एक बाढ़ प्रभावित पंचायत में विकेन्दित, सरल व टिकाऊ वर्षाजल संग्रहण तकनीक का प्रचार करेगा। इस अभियान की रणनीति वर्षाजल संग्रहण तकनीक को स्थानीय बनाने की होगी ताकि बाढ़ से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों के लोग इस तकनीक को आसानी से अपना सकें और बाढ़ के दौरान स्वच्छ पेयजल पी सके। वर्षाजल संग्रहण के लिए पॉलीथीन शीट, बाँस, रस्सी, और गैलन की आवश्यकता होगी। और इसे नीचे बताए तरीकों के मदद से किया जा सकता है।

स्वच्छ पेयजल का उपाय

तटबंधन और ऊँचे स्थानों के लिए

१ तटबंधन और ऊँचे स्थानों पर बाढ़ के समय घर बनाने और वर्षाजल संग्रहण के लिए 10 गड्ढें खोदे।

२ इन 10 गड्ढ़ों में बाँस को अच्छे से गाड़ कर अपने अस्थाई घर का ढांचा तैयार करें।

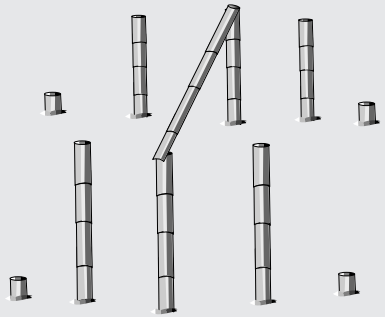

३ पॉलीथीन शीट को तैयार ढाँचे पर रखें और सभी महत्वपूर्ण जगहों पर रस्सी की मदद से कसकर बाँध दें। पॉलीथीन शीट के ऊपर से दो और बाँस तिरछा बांधे ताकि वर्षाजल बाँस से टकरा कर तटबंध के बजाय गैलन में जाय। जमीन और तिरछे बाँस के बीच की दूरी इतनी होनी चाहिए ताकि खाली स्थान में एक बड़ा गैलन आसानी से रखा जा सके।

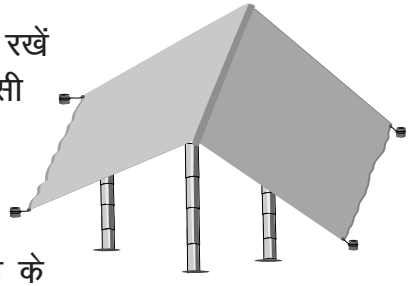

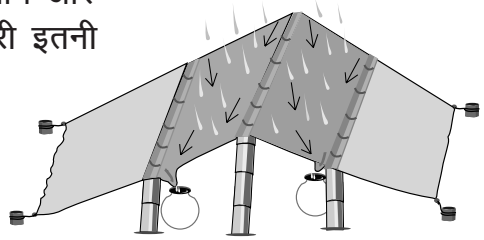

बाढ़ के पानी से घिरे घरों के लिए

१ पॉलीथीन शीट के आकार के अनुसार चार छोटे गड्ढ़े खोद।

२ इन चारों गड्ढ़ों में बाँस के चार खम्भे को मजबूती से लगायें।

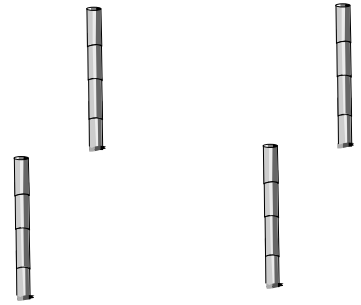

३ पॉलीथीन शीट को रस्सी की मदद से चार बाँस के खम्भों से कसकर बांध दें ताकि जोरदार बारिश और आँधी में यह क्षतिग्रस्त न हो। पॉलीथीन शीट के बीच एक छेद करें। गैलन पॉलीथीन शीट के अन्दर और उसमें किए गए छेद के ठीक नीचे रख दें ताकि वर्षाजल आसानी से इकट्ठा किया जा सकें।